

एक नजर

इरफान का निधन



आज मैं भी हूँ तु भी तेरी आयाते मेरी आरती भी, सबके दिल में दर्द है सुकून नहीं कुछ तो बात थी उसमें कि हिंदू भी रोया मुस्लिम भी चंदन, हटिया रेलवे कॉलोनी



मुझे बहुत ही दुख हुआ मैंने जब सु न । इर फ ा न खान का निधन हो गया। मैं पेसे से नाई का कार्य करता हूँ और मैंने इनके फ़िल्म बिहू बाबर देखा है देखकर काफी हतोत्साहित हुआ था उनके जच्चे को मेरा सलाम, वह आज इस धरती पर नहीं है लेकिन उनकी याद रहेगी।

शर्मा ठाकुर, हटिया, रांची



इस जीवन रूपी रांगमंच पर किसका किरदार कितने देर का है कोई नहीं जानता, इरफान को भावभीनी श्रद्धांजलि आरजे बरखा

झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने फेसबुक पर लिखा



इरफान खान के असामयिक निधन से चलाचित्र की दुनिया ने अपने एक उत्कृष्ट अभिनेता को हमेशा के लिए खो दिया। पान सिंह तोमर, पिकु समेत अनेक फ़िल्मों में किए गए उनके शानदार अभिनय के लिए उन्हें सदैव याद रखा जायेगा।

इस महान कलाकार को अपने और झारखण्डियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

लॉकडाउन में बड़ी राहत: देश में फंसे प्रवासी मजदूरों, पर्यटकों और छात्र जा सकते है अपने घर जाने की मंजूरी 10 लाख लोगों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को लॉकडाउन के 35 दिनों बाद प्रवासी मजदूरों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे हुए प्रवासी मजदूर, छात्र और पर्यटक अपने घरों को जा सकते हैं। इसके लिए राज्य सरकारें बसों का इंतजाम करेंगी। गुह मंत्रालय ने इसका आदेश बुधवार को जारी कर दिया है। मंत्रालय ने 6 प्वाइंट्स की गाइडलाइन राज्यों को भेजी है। इसमें बताया गया है कि कैसे सरकारें इन फंसे हुए लोगों को उनके घर तक पहुंचाने का काम कर सकती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार के इस फैसले से देशभर में फंसे करीब 10 लाख से ज्यादा मजदूरों, छात्रों, श्रद्धालुओं, सैलानियों को राहत मिलेगी।

मंत्रालय ने राज्यों के लिए 6 प्वाइंट की गाइडलाइन जारी की सभी राज्य और केंद्र शासित राज्य सरकारें मजदूरों, छात्रों और पर्यटकों को घर भेजे जाने के लिए नोडल अथॉरिटी गठित करें। यही अथॉरिटी अन्य राज्य सरकारों के साथ बातचीत करके फंसे हुए लोगों को भेजने और उन्हें वापस बुलाने का काम करेंगी। अथॉरिटी की जिम्मेदारी होगी कि वह फंसे हुए

दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में अलग-अलग जगह फंसे प्रवासी मजदूरों, पर्यटकों, छात्रों और श्रद्धालुओं को मूवमेंट की अनुमति दे दी है। बुधवार को गुहमंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्यों को प्रोटोकॉल का पालन करते हुए एक-दूसरे से संपर्क कर आवाजाही सुनिश्चित करनी होगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने बयान में बताया रेल मंत्री पीयूष गोयल धर्मेश प्रधान से भी प्रवासी मजदूरों छात्रों की वापसी को लेकर बात हुई बिना केंद्र सरकार के सहयोग के झारखंड के बाहर दूसरे प्रदेशों में फंसे प्रवासी लोगों को वापस नहीं ला सकती केंद्र सरकार के सहयोग सहयता के बिना संभव नहीं।

केंद्र सरकार की ओर से गाइडलाइन आया है उस पर केंद्र सरकार से राज्य सरकार की बात जारी है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी पत्र लिखकर सहयोग मांगा जा चुका



है आज केंद्र सरकार की ओर से आदेश आया है उस पर कैसे अमल होगा कैसे लोगों को वापस लाया जाएगा उस पर सरकार बारीकी पूर्वक नजर रख रही है साथ ही जिन अभिभावकों की ओर से अपने लोगों को खुद लाने की बात कही गई थी उन्हें भी झारखंड सरकार की ओर से

अनुमति प्रदान की जाएगी बड़ा सवाल झारखंड के प्रवासी भाई एवं छात्र छात्राएं अधिकतर 1500 किलोमीटर से अधिक दूरी पर फंसे हुए हैं जिन्हें झारखंड सरकार की ओर से बस भेजकर वापस लाना संभव नहीं।10 लाख के लगभग झारखंड

के बाहर प्रवासी हैं जो झारखंड वापस अपने घर आएंगे। इतनी दूरी से बसों में क्वारंटाइन के साथ सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करके लाना असंभव इसके लिए स्पेशल ट्रेन एक मात्र साधन या केंद्र सरकार की सहायता के बिना असंभव।

झारखंड में संक्रमितों की संख्या 107 हुई

रांची। झारखंड में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 107 हो गयी है. आज झारखंड में दो नये मामले सामने आये. पहला मामला जामताड़ा से आया जहां एक कोरोना संक्रमित के पॉजिटिव होने की जानकारी मिली जबकि दूसरा मामला झारखंड की राजधानी रांची का सबसे हॉटस्पॉट इलाका हिंदपीढ़ी से मिला है. रांची जिले में कुल कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या 78 हो गई है.

दो मरीजों की संख्या तो बढ़ी लेकिन रिस्स में राजद नेता लालू प्रसाद का इलाज कर रहे डॉ उमेश

प्रसाद व उनकी पूरी टीम की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आयी . डॉ उमेश प्रसाद के यूनिट में एक व्यक्ति पॉजिटिव आया था जिसके बाद उनकी जांच हुई थी. राजधानी रांची के कुछ इलाकों को सैनिटाइज किया गया. लालपुर स्थित एटीएम को भी सैनिटाइज किया गया. स्थानीय प्रशासन उन जगहों पर खास नजर रख रहा है जहां लोगों का आना जाना ज्यादा होता है. हॉटस्पॉट इलाके हिंदपीढ़ी पर भी खास नजर रखी जा रही है आज सीआरपीएफ और जिला पुलिस ने पूरी तरह इलाके को सील किया है.

सिर्फ 20 कंधों पर दुनिया से रुख्सत हुए इरफान खान

रांची। अभिनेता इरफान खान का मुंबई के एक अस्पताल में बुधवार को निधन हो गया. वह 54 साल के थे और लंबे समय से कैंसर से जंग लड़ रहे थे. उनके अचानक हुए निधन ने बॉलीवुड हस्तियों को झकझोर कर रख दिया है. कई कलाकार दिग्गज अभिनेता की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि परिवार और कुछ करीबी लोगों की मौजूदगी में मुंबई के वसोवा में दोपहर 3 बजे उनका अंतिम संस्कार हुआ।

इरफान खान पर विशेष पृष्ठ 6 पर पढ़ें



रांची। राज्य सरकार ने अभिभावकों को राहत देते हुए निजी स्कूलों में तीन महीने तक फीस लेने पर रोक लगा दी है. शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने इस संबंध में विभाग के प्रस्ताव

पर मंजूरी दे दी. प्रस्ताव के मुताबिक निजी स्कूल तीन महीने तक अभिभावकों को फीस के लिए तंग नहीं करेंगे. साथ ही बच्चों को किसी प्रकार की सुविधा से वंचित भी नहीं

करेंगे. शिक्षा मंत्री ने इस बाबत एक कमिटी गठित करने का निर्देश दिया है.

शिक्षा मंत्री ने कहा लॉकडाउन के कारण लोगों की आर्थिक स्थिति खराब

गर्मी की छुट्टी में भी बच्चों को मिलेगा मिड डे मील

केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल ने झारखंड सहित अन्य राज्यों के साथ समीक्षा बैठक की. इस बैठक में बोकारो से शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो और रांची से शिक्षा विभाग के आलाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े. इस दौरान गर्मी की छुट्टी में भी बच्चों को मिड डे मील का अनाज और कुकिंग कॉस्ट देने का निर्देश दिया गया. इसके अलावा केन्द्रीय मंत्री ने एक महीने का अतिरिक्त राशन देने की भी घोषणा की. सरकारी और निजी स्कूलों के छात्रों के लिए किताब की दुकानें खुलवाने का निर्देश दिया.

15 जून से खुलेंगे सरकारी स्कूल

शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि अगर स्थिति अनुकूल रही, तो 15 जून से सूबे में सरकारी स्कूलें खोली जा सकती हैं. स्कूलों के समय में एक घंटे की वृद्धि की योजना है. सुबह 9 से शाम 4 बजे तक स्कूल चलाने की तैयारी है. शनिवार को भी स्कूलों में फुल डे पढ़ाई होगी. शिक्षा मंत्री ने केन्द्र से ग्रामीण क्षेत्रों में केन्द्रीय विद्यालय खोलने और 4500 अप्रशिक्षित शिक्षकों पर विचार करने का आग्रह किया. इसके अलावा केंद्र सरकार के द्वारा आवंटित राशि और कोरोना पीरियड में निजी स्कूलों के द्वारा फीस माफी पर भी केंद्र सरकार से फैसले लेने का आग्रह किया गया.

हो गई है. ऐसे में कई निजी स्कूल मार्च से मई तक अभिभावक फिलहाल फीस की फीस अगले आदेश तक देने में सक्षम नहीं हैं. इसलिए नहीं लें.

गुरुकुल की छात्रा निकिता ने आईएएस बनने का लिया संकल्प

हजारीबाग। आज जब बेरोजगारी अपनी चरम सीमा पर है व प्रत्येक प्रतियोगी विद्यार्थियों का यह सपना होता है कि वह किसी न किसी सरकारी नौकरी को प्राप्त करें ऐसे में निकिता रेलवे में सफलता प्राप्त करने के बावजूद अपने हौसलों जज्बे और जुनून के पंख को और ऊंचा उड़ान देने का निर्णय लेते हुए आईएएस बनने का संकल्प लिया है। रेलवे में सफल होने के बावजूद ज्वाइन नहीं करने का लिया निर्णय, कहा आईएएस बनकर देश की करूँगी सेवा.कोरोना संक्रमण काल मे आईएएस अधिकारियों की सेवा भावना से हुई प्रभावित। देवन्दन राणा एवं अनिता राणा की पुत्री रेलवे रांची में चयनित होने के बावजूद अपने पंखों को और ऊंची उड़ान देने का निर्णय लिया है। अभी हाल में जेपीएएससी घोषित फाइनल रिजल्ट में सुमन गुप्ता के टॉपर होने से भी निकिता काफी प्रभावित हुई हैं।

इनका मानना है कि प्रशासनिक सेवाओं में जाकर समाज के अभीर्वचित वर्ग के प्रति संवेदनशीलता सेवा की भावना अच्छे तरीके से निभाई जा सकती है। महिलाएं आज प्रत्येक क्षेत्र में आगे जा रही हैं यह गर्व का विषय है। हजारीबाग की डीडीसी विजया जाधव द्वारा कोरोना संक्रमण काल में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों,



आईएएस बनकर देश की करूँगी सेवा

एसडीओ मेघा भारद्वाज द्वारा कुशल नेतृत्व क्षमता का परिचय दिए जाने से भी निकिता काफी प्रेरित हुई हैं।। उसके द्वारा लिए गए इस निर्णय से गुरुकुल के निदेशक जेपी जैन,

प्रबंध निदेशिका शिप्रा जैन, मार्गदर्शक संजय सिन्हा, रामस्वरूप गोप एवं अन्य शिक्षकों ने उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है।

भविष्य को ध्यान में रखकर हंड्रेड का आयोजन चाहता है ईसीबी

परिस्थितियां अनुकूल होने पर जुलाई में शुरू हो सकता है टूर्नामेंट

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रमुख टॉम हैरिसन ने कहा है कि कोरोना वायरस के कारण हुए वित्तीय नुकसान को देखते हुए विवादास्पद हंड्रेड टूर्नामेंट का आयोजन अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। ईसीबी ने पिछले सप्ताह अपने 2020 सत्र के शुरुआत की समयसीमा बढ़ाकर एक जुलाई कर दी थी। अब उसकी बुधवार को बैठक होगी जिसके एजेंडा में हंड्रेड टूर्नामेंट भी शामिल है।

हंड्रेड टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम को 100 गेंदें खेलने का अवसर मिलेगा। यह क्रिकेट में नया प्रारूप है जिसकी कड़ी आलोचना भी हुई। इस टूर्नामेंट में इंग्लिश क्रिकेट की 18 प्रथम श्रेणी काउंटी के बजाय आठ प्रेक्वाइजी टीमों भाग लेंगी। ईसीबी परिस्थितियां अनुकूल होने पर जुलाई में इसकी शुरुआत कर सकता है। ईसीबी के अधिकारी लंबे समय से कहते रहते हैं कि यह नया टूर्नामेंट इस खेल से नए दर्शकों को जोड़ सकता है जो कि क्रिकेट के भविष्य के लिए जरूरी है। लेकिन कोविड-19 के



कारण लगी पाबंदियों, विदेशी खिलाड़ियों को लाने की मुश्किलों और आर्थिक संकट के समय इसकी शुरुआत पर होने वाले खर्चों को देखते हुए इसके आयोजन में देरी की संभावना बन गई है। हैरिसन ने कहा, हम देखेंगे कि परिस्थितियां किस तरह से हंड्रेड को प्रभावित करती है। इस टूर्नामेंट की परिकल्पना खेल में नए दर्शकों को जोड़ने के

उद्देश्य से की गई थी। लेकिन स्टेडियम के माहौल और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों (के खेलने को लेकर संशय) के कारण यह काफी मुश्किल होगा। इंग्लिश क्रिकेट में शुरू से ही कुछ लोग हंड्रेड का विरोध करते रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि पहले ही व्यस्त कार्यक्रम के बीच इस नए प्रारूप के लिए जगह बनाना मुश्किल होगा।

काउंटी सत्र को छोटा और विदेशी खिलाड़ियों का करार खत्म करें: वान

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को कोविड-19 से प्रभावित मौजूदा सत्र को छोटा करने के अलावा अगले दो साल तक विदेशी खिलाड़ियों के करार को रद्द करने पर विचार करना चाहिए ताकि लागत को कम किया जा सके। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण ईसीबी ने पहले ही एक जुलाई तक सभी तरह की क्रिकेट गतिविधियों पर रोक लगा दी है। इस फैसले का मतलब हुआ कि काउंटी मुकाबले के नौ दौर के मैचों का आयोजन नहीं हो सकेगा। इससे काउंटी टीमों को साढ़े आठ करोड़ पाउंड (आठ अरब रुपए से अधिक) का नुकसान होगा। वॉन ने कहा, आपको हर उस चीज पर नजर रखनी होगी जहां से आप कुछ बचत कर सकते हैं। उन्होंने कहा, परंपरावादी लोगों को इससे परेशानी हो सकती है लेकिन ये अभूतपूर्व समय हैं। उन्होंने कहा, क्या अगले दो वर्षों में आप चार दिवसीय मैचों को बिना विदेशी खिलाड़ी के नहीं देख सकते हैं। कई काउंटी टीमों ने पहले ही विदेशी खिलाड़ियों के करार को रद्द कर दिया है जिसमें भारतीय खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा और रविचंद्रन अश्विन भी शामिल हैं। वॉन 2003 से 2008 तक इंग्लैंड का नेतृत्व किया था। उन्होंने काउंटी चैम्पियनशिप को 14 से 10 मैच का करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, चार दिवसीय मैच में खर्च होता है। अगले दो साल तक आप 14 की जगह 10 मैच करा सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई परेशानी होनी चाहिए।

पहले पांच वर्षों में हंड्रेड से होगा नुकसान: ईसीबी

यहां तक कि महामारी फैलने से पहले ईसीबी ने स्वयं अनुमान लगाया था कि पहले पांच वर्षों में हंड्रेड से नुकसान होगा। पहले साल की लागत पांच करोड़ 80 लाख पाउंड आंकी गई थी जबकि इससे पांच करोड़ दस लाख की आय का अनुमान लगाया गया था। लागत में प्रत्येक काउंटी को 13 लाख पाउंड की धनराशि देना भी शामिल है। ऐसे में हंड्रेड का आयोजन नहीं करने से ईसीबी अभी अपने कुछ लाख पाउंड बचा सकता है लेकिन हैरिसन ने कहा कि आने वाले समय में यह आय का अच्छा स्रोत बन जाएगा और वर्तमान के काउंटी दांवों को बनाए रखने में मदद करेगा। हैरिसन का मानना है कि मौजूदा टी20 ब्लास्ट को और बेहतर करके ईसीबी अपने कई उद्देश्यों को हासिल कर सकता है। लेकिन इस नए टूर्नामेंट की शुरु से पुरजोर वकालत करने वाले हैरिसन ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में यह अधिक महत्वपूर्ण बन गया है। उन्होंने कहा, वर्तमान संकट में हंड्रेड अधिक महत्वपूर्ण बन गया है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि किसी भी तरह से हंड्रेड का पक्ष कमजोर पड़ गया है। इसके बजाय मौजूदा परिस्थितियों में इसका पक्ष मजबूत बन जाता है।

इयान स्मिथ और महिला क्रिकेटर सोफी डिवाइन को बर्ट सटविलफ अवॉर्ड

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज इयान स्मिथ को क्रिकेट में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मंगलवार को बर्ट सटविलफ पदक से सम्मानित किया। कोविड-19 महामारी के कारण पुरस्कार समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले डेवोन कार्नोवे को पुरस्कारों के पहले दिन क्रमशः महिला एवं पुरुष वर्ग में ड्रीम 11 सुपर स्मैश प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार दिया गया।



न्यूजीलैंड क्रिकेट अगले तीन दिन तक अन्य पुरस्कारों का वितरण करेगा। इसमें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाना वाला सर रिचर्ड हैडली पदक भी शामिल है, जो शुक्रवार को दिया जाएगा। घरेलू स्तर पर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए दी जाने वाली ट्रॉफी और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ घरेलू क्रिकेटर का पुरस्कार बुधवार को दिया जाएगा। स्मिथ को न्यूजीलैंड क्रिकेट के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने आभासी तौर पर पुरस्कार सौंपा। इस 63 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने 1980 से 1992 तक न्यूजीलैंड की तरफ से 63 टेस्ट और 98 एकदिवसीय मैच खेले थे। स्मिथ को दिया गया पुरस्कार पूर्व

टेस्ट खिलाड़ी बर्ट सटविलफ के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने अपने देश की तरफ से 42 टेस्ट मैच खेले थे। स्मिथ से पहले यह पुरस्कार वाल्टर हैडली, मर्व वालेस, जॉन रीड, ग्राहम डार्लिंग, सर रिचर्ड हैडली और इवान चैटफील्ड हासिल कर चुके हैं। क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद कॉमिटेटर बने स्मिथ ने कहा, मैं आभारी हूं। इस सूची में जुड़ने से मैं भावुक हो गया हूं। मुझे अब भी सर रिचर्ड हैडली की गंदों के सामने विकेटकीपिंग करना, मार्टिन क्रो को बल्लेबाजी करते हुए देखना याद है। उन्होंने कहा, मुझे टेस्ट क्रिकेट में बिताया हर पल अच्छा लगता है। ब्रैंडन मैकलूम का तिहरा शतक हमेशा मेरे जेहन में रहेगा। लॉर्ड्स, होबार्ट में टेस्ट मैचों में जीत, रोस टेलर के 290 रन और विश्व कप फाइनल कभी नहीं भुलाए जा सकते हैं।

भारत में एक महीने से अधिक समय तक फंसे रहने के बाद स्वदेश लौटे माइक हेसन

हेसन ने भारत व न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट संचालन निदेशक माइक हेसन भारत में एक महीने से भी अधिक समय तक फंसे रहने के बाद मंगलवार को न्यूजीलैंड लौट गए। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और कोच हेसन आईपीएल के नए सत्र के लिए पांच मार्च को भारत आए थे लेकिन कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन और विमान सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण वह यहीं फंसे रहे गए। हेसन ने ट्वीट किया, मुंबई हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए बस में बिताए गए एक दिन के बाद क्या शानदार नजारा था।



न्यूजीलैंड तक हमारी वापसी के दौरान फ्लाईएयरएनजेड के कर्मचारियों का व्यवहार बहुत अच्छा रहा। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत में न्यूजीलैंड के उच्चायोग, न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय और न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्देन की आभार व्यक्त किया। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए भारत और न्यूजीलैंड ने पिछले महीने अपने अपने देशों में लॉकडाउन की घोषणा कर दी थी। इनमें यात्रा पाबंदियां भी शामिल थी जिससे 45 वर्षीय हेसन को बेंगलूरु में ही रुकना पड़ा था। भारत में अब भी लॉकडाउन है लेकिन न्यूजीलैंड ने मंगलवार को इसमें ढील दे दी। आईपीएल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 मार्च से शुरू होना था लेकिन महामारी को देखते हुए इसे अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है।

आईसीसी को देना चाहिए ध्यान: सकलेन मुश्ताक

एशेज से बहुत बड़ी है भारत-पाक सीरीज

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय सीरीज कब होगी इसका भले अभी तक किसी को कुछ पता नहीं है लेकिन पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों ने इसके लिए माहौल बनाना तैयार कर दिया है। अब पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज स्पिनर सकलेन मुश्ताक भी चाहते हैं कि दोनों देशों को अपनी क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता जारी रखनी चाहिए। मुश्ताक के मुताबिक, दोनों देशों के बीच में खेली जाने वाली सीरीज एशेज से भी बहुत बड़ी सीरीज है। सकलेन मुश्ताक ने कहा कि दोनों देश अगर यह सीरीज खेलते हैं तो यह दोनों के लिए विन-विन वाली स्थिति है। इसमें खेल और वित्तीय लिहाज से भी दोनों बोर्ड को लाभ होगा और इसके दोनों देशों के आपसी संबंध भी सुधारने में मदद मिल सकती है।



इन दिनों सबसे पहले पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने यह प्रस्ताव रखा था कि भारत-पाकिस्तान को कोविड-19 के खिलाफ फंड इकट्ठा करने के मकसद से एक वनडे सीरीज खेलनी चाहिए। भारत में इसे कहीं से भी कोई समर्थन नहीं मिला था और पूर्व कप्तान कपिल देव, सुनील गावसकर और मदन लाल ने इसे बकवास करार दिया। लेकिन पाकिस्तान ने अख्तर की इस मांग को लगातार समर्थन मिला है। सबसे पहले शाहिद अफरीदी ने इस मांग को सही करार दिया था और अब इस पूर्व स्पिनर ने भी इसका समर्थन किया है। इस 43 वर्षीय पूर्व ऑफ स्पिनर ने कहा, आप खिलाड़ियों को क्या कहते हैं। आप उन्हें हीरो कहते हैं और उनका काम क्या है। उनका काम अच्छा खेल दिखाना है। अपने करियर में 44

टेस्ट और 169 वनडे मैच खेलने वाले इस दिग्गज गेंदबाज ने कहा, इसे इस नजरिए से नहीं देखना चाहिए कि पाकिस्तान भारत से नहीं खेल रहा है तो उसे नुकसान हो रहा है। इसकी बड़ी तस्वीर देखी जानी चाहिए। दोनों देशों को खेल को प्रमोट करना चाहिए। और अगर हम दोनों खेलते हैं तो यह विन-विन (जीत और जीत) की स्थिति होगी। संभवतः दोनों के संबंधों में भी सुधार आए। 496 इंटरनेशनल विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा, यह दोनों देशों को करीब ला सकता है। मैं आईसीसी से प्रार्थना करता हूं कि वह इस मामले में दखल दे। वित्तीय रूप से यह बीसीसीआई और पीसीबी के लिए विन-विन स्थिति है। यह सीरीज एशेज से भी बहुत बड़ी सीरीज है।

शेन वॉर्न को अपने इशारों पर नचाते थे सचिन तेंदुलकर

सचिन वॉर्न को बना देते थे साधारण गेंदबाज: ली

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली दुनिया के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बैटिंग तकनीक की तारीफ की है। ली ने एक टीवी कार्यक्रम में बताया कि सचिन दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न के सामने भी इतने मजबूत थे कि वह उन्हें मनचाही जगह शॉट लगाते थे। सचिन और वॉर्न जब खेला करते थे तब उनके बीच की जंग बहुचर्चित हुआ करती थी। अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने भी मान लिया है कि इस जंग में जीत लिटिल मास्टर की होती थी।

ली ने कहा कि तेंदुलकर ने उनके साथी गेंदबाज को कई बार अपने इशारों पर नचाया है। तेंदुलकर ने वॉर्न के खिलाफ कई यादगार पारियां खेली हैं। उन्होंने वॉर्न के रहते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जो 12 टेस्ट मैच खेले उनमें 60 से अधिक औसत से रन बनाए। इसमें 5 शतक और 5अर्धशतक भी शामिल है। वॉर्न की मौजूदगी वाले 17 वनडे में उन्होंने 58.70 की औसत और 5 शतकों की मदद से 998 रन बनाए। ब्रेट

ली ने वॉर्न और तेंदुलकर के बीच मुकाबले के अलावा खुद इस स्टार बल्लेबाज का विकेट लेने की खुशी को भी बयां किया। ली ने कहा, वह (तेंदुलकर) कुछ अवसरों पर विकेट से आगे आकर वॉर्न को शॉर्ट पिच गेंद करने के लिए मजबूर करते थे। कुछ अवसरों पर वह बैकफुट पर जाकर गेंद का इंतजार करते और खूबसूरत शॉट खेलते थे। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, यह वॉर्न को अपने इशारों पर नचाने जैसा था। शेन वॉर्न के साथ बहुत कम बल्लेबाज ऐसा कर सकते थे क्योंकि वह बेहद प्रतिभाशाली थे।



लेकिन कई अवसरों पर सचिन तेंदुलकर ऐसा करते थे। ली ने कहा कि वॉर्न के रहते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जो 12 टेस्ट मैच खेले उनमें 60 से अधिक औसत से रन बनाए। इसमें 5 शतक और 5अर्धशतक भी शामिल है। वॉर्न की मौजूदगी वाले 17 वनडे में उन्होंने 58.70 की औसत और 5 शतकों की मदद से 998 रन बनाए। ब्रेट

कोरोना वायरस के चलते टी20 वर्ल्डकप के आयोजन पर भी उठने लगे सवाल

लिन ने कहा, इस साल नहीं होना चाहिए टी20 विश्वकप

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज क्रिस लिन का मानना है कि इस साल उनके देश में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टी20 विश्व कप का आयोजन नहीं होना चाहिए क्योंकि कोविड-19 महामारी को देखते हुए मेहमान टीमों के लिए चीजों का इंतजाम करना बुरे सपने की तरह होगा। तीस साल के इस बल्लेबाज ने कहा कि प्रशासक इस संकट की भयावहता को स्वीकार करके अच्छे

काम करेंगे जिसके कारण दुनिया भर में दो लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। लिन ने कहा, मेरा निजी नजरिया है कि टी20 विश्व कप का आयोजन नहीं होना चाहिए। टी20 विश्व कप का आयोजन अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होना है लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इस प्रतियोगिता के लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। लिन ने कहा, बेशक हम प्रार्थना कर रहे हैं

कि इसका आयोजन हो लेकिन हमें उसका सामना करना होगा जो हमारे सामने होगा। लिन ने इसके बाद उन चुनौतियों का जिक्र किया जिनका सामना आयोजकों को टूर्नामेंट का आयोजन करने की स्थिति में करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, दुनिया भर से यहां टीमों को बुलाना बुरे सपने की तरह हो सकता है। इस बल्लेबाज ने कहा, होटल, यात्रा, टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले हफ्तों तक टीमों को होटल में रखना, ये चीजें काफी मुश्किल हो सकती हैं।

वीवीएस लक्ष्मण ने पहले ऑनलाइन सत्र का किया संचालन

कोलकाता । पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने मंगलवार को रणजी ट्रॉफी उप विजेता बंगाल के बल्लेबाजों के लिए अपने पहले ऑनलाइन सत्र का संचालन किया। इस सत्र के दौरान लक्ष्मण ने मानसिक फलुओं पर जोर दिया। अभिषेक रमन और काजी जुनैद सैफी के साथ लक्ष्मण ने 45-45 मिनट के दो अलग अलग सत्र का संचालन किया। इस दौरान बंगाल के कोच अरुण लाल, क्रिकेट संचालन मैनेजर जायदीप मुखर्जी और राज्य की अंडर-23 टीम के कोच सीराशीष लाहिड़ी भी मौजूद थे। पिछले सत्र में अच्छी शुरुआत करने वाले सलामी बल्लेबाज रमन को बताया गया कि किस तरह विफलताओं से निपटा जाता है और कैसे दोबारा आत्मविश्वास हासिल किया जाता है। बंगाल क्रिकेट संघ (केब) द्वारा जारी बयान में रमन ने कहा, हमने अपने पिछले सत्र के बारे में बात की। सत्र के दौरान मेरी मानसिकता कैसी रही। इस सत्र में काफी कुछ सीखने को मिला और पता चला कि सत्र के दौरान आने वाले उतार चढ़ाव को देखते हुए मानसिक तैयारी कैसे करनी है। रमन ने सत्र की शुरुआत करल और आंध्र के खिलाफ लगातार दो शतक के साथ की लेकिन अंततः 10 पारियों में 25.37 के औसत से 406 रन ही बना पाए। लक्ष्मण ने बताया कि खराब शॉट खेलने से बचने के लिए कैसे अपने दिग्गम को नियंत्रित किया जाए और साथ ही गेंदबाजी की अतृक पियों पर पहले घंटे में बल्लेबाजी की अहमियत के बारे में भी बताया। पदार्पण करते हुए दो मैच खेलने वाले काजी को लक्ष्मण ने बताया कि कैसे आयु वर्ग के क्रिकेट से सीनियर स्तर पर आने के बदलाव से आसानी से निपटा जा सकता है। काजी ने कहा, आज का सत्र बेहद महत्वपूर्ण और उपयोगी था। लक्ष्मण ने साथ अपने अनुभव साझा कर रहे थे, कैसे नर्वस होना सामान्य चीज है, संदेह हो सकता है लेकिन साथ ही अपने और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने की जरूरत है। केब ऑनलाइन सत्र जारी रखेगा जिसमें शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। बंगाल की टीम 13 साल के पहली बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची थी, लेकिन इस दौरान उसे सबसे अधिक शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने ही निराश किया था।

अर्जेंटीना में मौजूदा फुटबॉल सीजन खत्म

नई दिल्ली। कोरोनावायरस की वजह से पूरी दुनिया में खेल गतिविधियां ठप हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल पर भी इसकी मार पड़ी है। यहां भी फुटबॉल एसोसिएशन ने 2019-20 का सीजन खत्म कर दिया है। अध्यक्ष क्लॉडियो तांपिया ने कहा कि हम टूर्नामेंट खत्म करने जा रहे हैं, ताकि अगले साल होने वाली कॉन्टिनेंटल चैम्पियनशिप के लिए टीमों को नॉमिनेट कर सकें। इधर, 4 दिन पहले उव लीग को भी कैसिल किया गया था। कोरोना की वजह से यूरोप की यह पहली टॉप फुटबॉल लीग है, जिसे बीच सीजन में ही खत्म किया गया है। 1945 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब चैम्पियन टीम का फैसला हुए बगैर ही लीग खत्म हो गई। अजाक्स और एंजेड अल्कमार पॉइंट टैबल में बराबरी पर हैं। इन दोनों टीमों ने अगले सीजन में चैम्पियंस लीग के लिए क्वालिफाई करने की पात्रता हासिल कर ली है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने बताया कि मौजूदा और अगले सीजन में किसी टीम को बाहर नहीं किया जाएगा।



कोरोना पर नियंत्रण पा लिया जाता है तो हम अगली गर्मियों में ओलंपिक का आयोजन करेंगे: योशिरो मोरी

अगले साल भी काबू में नहीं आया कोरोना तो रद्द होंगे टोक्यो ओलंपिक

टोक्यो। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते टोक्यो ओलंपिक 2020 को अगले साल के लिए टाल दिया गया है। पर अब भी खेलों के इस महाकुंभ पर छाया संकट समाप्त नहीं हुआ है। आयोजन समिति के अध्यक्ष योशिरो मोरी ने कहा है कि अगर अगले साल तक भी कोरोना वायरस पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका तो इन खेलों को रद्द कर दिया जाएगा। जब मोरी से पूछा गया कि अगर महामारी का खतरा अगले साल भी बना रहता है तो क्या खेलों को 2022 तक टाला जा सकता है, उन्होंने कहा, नहीं। अगर ऐसा होता है तो फिर इन्हें रद्द कर दिया जाएगा। मोरी ने कहा कि इससे पहले युद्ध के समय ही खेलों को रद्द किया गया था। उन्होंने कोरोना वायरस



से लड़ाई को एक अदृश्य दुश्मन के खिलाफ जंग करार दिया। उन्होंने कहा, अगर वायरस पर नियंत्रण पा लिया जाता है तो हम अगली गर्मियों में ओलंपिक का आयोजन करेंगे।

कोरोना वैक्सीन के बिना ओलंपिक का आयोजन मुश्किल

जापान राष्ट्रीय मेडिकल संघ के प्रमुख योशिताके योकोकुरा ने मंगलवार को कहा कि देश में कोरोना के मामलों में भले ही कमी आ जाए लेकिन कोरोना वैक्सीन के बिना टोक्यो ओलंपिक का आयोजन करना मुश्किल होगा। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए टोक्यो आयोजन समिति और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने इस वर्ष 24 जुलाई से होने वाले टोक्यो ओलंपिक को अगले साल तक के लिए स्थगित करने का फैसला किया था। योकोकुरा ने कहा कि कोरोना वायरस की वैक्सीन के बिना टोक्यो ओलंपिक का आयोजन करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि ओलंपिक का आयोजन विश्वभर में महामारी की स्थिति का पता होने के बाद ही किया जा सकता है। योकोकुरा ने कहा कि दुनियाभर में कोरोना इस समय बड़ा मुद्दा बना हुआ है। अगर जापान में कोरोना की स्थिति में सुधार होता है लेकिन कोरोना का खतरा कम नहीं होता है तो ओलंपिक का आयोजन असंभव होगा। इससे पहले जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने भी इस महीने जापान के छह प्रांतों में कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए आपात स्थिति की घोषणा की थी।



इरफान खान उन अभिनेताओं में से एक थे, जिन्हें बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी बराबर सफलता मिली। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि क्या वे कभी हॉलीवुड शिफ्ट हो सकते हैं? तो उन्होंने कहा था, «मैं अपने बेस के रूप में कभी बॉलीवुड को नहीं छोड़ूंगा। मुझे नहीं पता कि भविष्य में मेरे लिए क्या संजोकर रखा है। लेकिन हॉलीवुड को अपना बेस बनाने का मेरा कोई इरादा नहीं है। इसका एकमात्र कारण यह है कि वहां मैं अपने दिल की सुनकर फिल्में नहीं कर पाऊंगा। मुझे वहां सही तरह की फिल्में करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।»-

नहीं कोई फैसला नहीं लिया है। इसमें मैं प्रस्तावित करूँ अस्थीकार कर देते हैं तो कौन पास केवल दो विकल्प बचेगें।

पहले मई को लोकडाउन खत्म होने के तुरंत बाद विधान परिषद की खाली सीटों पर चुनाव की घोषणा करें और 28 मई तक प्राप्ति या खत्म करने की स्थिति में होंगे। चुनाव न होने की स्थिति में भी अपने पद से इस्तीफा देना होगा। दूसरा यह कि शपथ लेनी होगी। इससे पहले एक महीने का वक्त मिलेगा। हालांकि इसमें पैच यह है कि यदि वे साथ पूरे मित्रमंडल को भी देना होगा और उन्हें भी देना शपथ लेनी होगी।